

लेखों का भी मिलान नहीं किया जाता जिसके कारण महालेखाकार, उत्तरांचल से शिकायत प्राप्त होती है।

(ज) बजट/ साख सीमा कोषागार को सूचित करने बाद कोषागार से बिना अवशेष की सूचना प्राप्त किये पुनर्वाटन / पुनर्विनियोग किया जाना।

वित्तीय वर्ष 2003-04 के प्रथम 3 माह के लेखानुदान को विधानसभा द्वारा मार्च के अन्तिम सप्ताह में पारित किया जाना सम्भावित है। ऐसी स्थिति में 1 अप्रैल 2003 को देय भुगतान में बजट अभाव के कारण कोई असुविधा न हो, प्रशासनिक विभाग के प्रमुख सचिव/ सचिव, बजट नियंत्रक अधिकारी को 29 या 30 मार्च को बुलाकर यह सुनिश्चित कर ले कि समय से लेखानुदान की धनराशि क्रियान्वयन स्तर तक विशेष वाहक से उपलब्ध करा दी जाये। जिन प्रकरणों में वित्त विभाग या अन्य स्तर से अनुमोदन अपेक्षित है उसे तत्काल प्राप्त किया जाये तथा वित्त विभाग को प्रत्येक माह की 2 तारीख एवं 16 तारीख को प्रमुख सचिव, वित्त को प्रशासनिक विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष / बजट नियंत्रक अधिकारी द्वारा संलग्न प्रपत्र-क में बजट ऑपटन की स्थिति का विवरण प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार जहाँ पर लेखा-शीर्षक परिवर्तित हो गए हैं वहाँ सावधानी पूर्वक नया लेखा शीर्षक सही-सही भेजा जाना चाहिए।

जिन स्तरों से बजट ऑपटन में को त्रुटि हो अथवा व्यय सम्बन्धी विवरण समय से सक्षम अधिकारी से निर्धारित तिथि तक न भेजे जाये ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये, जिससे बजट एवं लेखा सूचना प्रणाली में कोई गतिरोध उत्पन्न न हो।

कृपया उपरोक्त आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

भवदीय



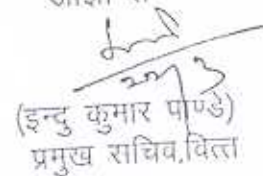
(मधुकर गुप्ता)
मुख्य सचिव

संख्या: 293/ वित्त अनु-1/2002-03 तददिनांक ।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

- (1) समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तरांचल ।
- (2) समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल ।
- (3) समस्त कोषाधिकारी, उत्तरांचल को इस आशय के साथ प्रेषित कि इन आदेशों को अपने से सम्बद्ध आहरण एवं वितरण अधिकारियों को एक-एक प्रति उपलब्ध करा दें ।
- (4) समस्त अनुभाग अधिकारी, उत्तरांचल सचिवालय ।

आज्ञा से


(इन्दु कुमार पाण्डे)
प्रमुख सचिव, वित्त